नईदुनिया

खास-खबरें

बिटडेल्टा इंडिया ने क्रिप्टो ट्रेडिंग प्रशिक्षण के लिए शुरू किया 'क्रिप्ट्यूशन'

नईदुनिया ब्यूरो, मुबंई: आभासी डिजिटल संपत्ति (वीडीए) ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म 'बिटडेल्टा' ने गुरुवार को क्रिप्टो ट्रेडिंग प्रशिक्षण के लिए 'क्रिप्ट्यूशन' शुरू करने की घोषणा की। बिटेडेल्टा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विकास सचदेवा ने कहा कि संस्थागत स्तर का क्रिप्टो एसेट्स प्रशिक्षण और प्रमाणपत्र देने वाला यह देश का पहला पारितंत्र है। उन्होंने कहा कि देश में 12 करोड़ क्रिप्टो यूजर हैं और सालाना तकरीबन 340 अरब डॉलर का कारोबार होता है। हालांकि उपभोक्ता जागरूकता का स्तर मात्र 15 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि सही प्रशिक्षण न मिलने के कारण क्रिप्टो ट्रेडिंग में लोगों को नुकसान उठाना पड़ता है। सोशन इंजीनियरिंग अटैक में भारतीय क्रिप्टो यूजर हर साल 368 करोड़ रुपये गंवा देते हैं। श्री सचदेवा ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए कंपनी ने 'अमेरिकन एकेडमी ऑफ फाइनेंशियल मैनेजमेंट (एएएफएम) इंडिया' से करार किया है। एएएफएम 150 देशों में तीन लाख से ज्यादा क्रिप्टो ट्रेडिंग पेशेवर तैयार कर चुका है। इस पाठ्यक्रम में कम से कम 10 घंटे का प्रायौगिक प्रशिक्षण भी शामिल है।

'अजियो ब्यूटी' की 1,500 ब्रांड्स के साथ शुरुआत, 19 हजार पिन कोड में मिलेगी डिलीवरी

नईदुनिया ब्यूरो, मुबंई: अजियो पर पहले से उपलब्ध ब्यूटी प्रोडक्ट्स का दायरा बड़ा करते हुए रिलायंस रिटेल ने बुधवार को 'अजियो ब्यूटी' की शुरुआत की घोषणा की। 'अजियो ब्यूटी' पर ग्राहकों को 1,500 से अधिक भारतीय और अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स के स्किनकेयर, मेकअप, हेयरकेयर, फ्रेगरेंस और पर्सनल केयर उत्पाद एक ही जगह मिलेंगे। रिलायंस रिटेल ने बुधवार को बताया कि अजियो ब्यूटी पर स्किनकेयर, मेकअप, हेयरकेयर, फ्रेगरेंस, बाथ एंड बॉडी, पर्सनल केयर और ब्यूटी एक्सेसरीज की विस्तृत रेंज उपलब्ध होगी। इसमें रोजमर्रा के किफायती उत्पादों से लेकर प्रीमियम और लग्जरी ब्रांड्स तक शामिल होंगे। कंपनी के मुताबिक, इन उत्पादों की डिलीवरी देशभर के 19,000 से अधिक पिन कोड पर की जायेगी। चुनिंदा शहरों में 'अजियो रश' के जरिये तेज डिलीवरी की सुविधा भी मिलेगी।

इटरनल का मुनाफा 268 प्रतिशत बढ़कर 92 करोड़ पर

नईदुनिया ब्यूरो, मुबंई: फूड डिलिवरी प्लेटफॉर्म जोमौटो की प्रवर्तक कंपनी इटरनल को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में समेकित आधार पर 92 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के मुकाबले 268 प्रतिशत अधिक है।

कंपनी ने बुधवार को निदेशक मंडल की बैठक के बाद वित्तीय परिणामों की घोषणा की। उसने बताया कि तिमाही के दौरान समायोजित राजस्व भी सालाना 173 प्रतिशत बढ़कर 20,648 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

अप्रैल-जून 2026 की अवधि में सीधे ग्राहकों से मिले ऑर्डर का शुद्ध मूल्य (एनओवी) 54 प्रतिशत बढ़कर 31,120 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, समायोजित परिचालन लाभ 555 करोड़ रुपये हो गया जो सालाना आधार पर 223 प्रतिशत की वृद्धि दिखाता है।

अमेरिका-ईरान तनाव से कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल

कच्चा तेल 98 डॉलर प्रति बैरल के पार, गैस आपूर्ति पर भी संकट के

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव का असर अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार पर साफ दिखाई देने लगा है। गुरुवार को ब्रेंट कच्चा तेल चार प्रतिशत की तेजी के साथ 98 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया, जो पिछले छह सप्ताह का उच्चतम स्तर है। वहीं अमेरिकी कच्चे तेल की कीमत भी 89 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गई। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है तो भारत में महंगाई बढ़ सकती है और पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर भी दबाव बढ़ने की आशंका है।

कच्चे तेल की कीमतों में तेजी का सीधा असर देश की तेल विपणन कंपनियों पर पड़ रहा है। कच्चे तेल के महंगा होने से इन कंपनियों के ईंधन लाभांश पर दबाव बढ़ रहा है। यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें लंबे समय तक ऊंचे स्तर पर बनी रहती हैं तो ईंधन की खुदरा कीमतों में भी वृद्धि की संभावना से इनकार नहीं किया जा

सकता। तेल की कीमतों में यह उछाल पश्चिम एशिया में बिगड़ते हालात के बीच आया है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के साथ विवाद फारस की खाड़ी के अन्य क्षेत्रों तक फैलता दिखाई दे रहा है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में सऊदी अरब के तेल टैंकरों पर हमला किया है। यह घटना बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य पर नाकेबंदी की घोषणा के एक दिन बाद हुई, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति श्रृंखला पर संकट गहराने की आशंका बढ़ गई है।

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों का असर भारतीय शेयर बाजार पर भी दिखाई दिया। गुरुवार को सेंसेक्स 364 अंक की गिरावट के साथ 76,391 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 127 अंक टूटकर 23,870 पर पहुंच गया। ऊर्जा, बैंकिंग और रियल एस्टेट क्षेत्र के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली दर्ज की गई। वहीं तेल विपणन कंपनियों के शेयरों में भी गिरावट रही। हिंदुस्तान पेट्रोलियम के शेयर में लगभग 2.50 प्रतिशत, इंडियन ऑयल में करीब दो प्रतिशत और भारत पेट्रोलियम में लगभग एक प्रतिशत की कमजोरी दर्ज की गई।

भारत अपनी कुल आवश्यकता का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों में वृद्धि से आयात बिल बढ़ने की आशंका रहती है, जिसका प्रभाव महंगाई और विभिन्न उद्योगों की लागत पर पड़ सकता है।

सर्दियों से पहले गैस आपूर्ति का संकट और गहरा सकता है

इस बीच समाचार संस्था ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, कतर ऊर्जा कंपनी मध्य अक्टूबर तक द्रवीकृत प्राकृतिक गैस की आपूर्ति में 'अपरिहार्य परिस्थितियों' संबंधी प्रावधान को आगे बढ़ाने की तैयारी कर रही है। कतर ने जून में ही एशिया और यूरोप के कुछ ग्राहकों को अगस्त और सितंबर के मालवाहक खेप रद्द रहने की सूचना दी थी। यदि यह स्थिति अक्टूबर तक बनी रहती है तो सर्दियों से पहले गैस आपूर्ति का संकट और गहरा सकता है तथा एशियाई और यूरोपीय देशों के बीच सीमित आपूर्ति को लेकर प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि पश्चिम एशिया में मौजूदा तनाव लंबा खिंचता है तो कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को भी पार कर सकती हैं। इसका प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था, ईंधन कीमतों और शेयर बाजार पर आगे भी देखने को मिल सकता है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में इनक्रेड एसेट मैनेजमेंट का निवेश 1,000 करोड़ रुपये के पार

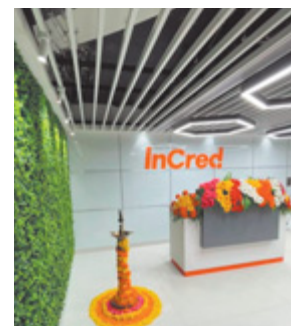

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबई: इनक्रेड एसेट मैनेजमेंट ने स्वास्थ्य क्षेत्र की सूचीबद्ध कंपनियों में अपने निवेश का आंकड़ा एक हजार करोड़ रुपये के पार पहुंचने की घोषणा की है। कंपनी ने गुरुवार को जारी विज्ञप्ति में बताया कि उसके इनक्रेड हेल्थकेयर पोर्टफोलियो और इनक्रेड फोकस्ड हेल्थकेयर इक्विटी जैसे निवेश उत्पादों के माध्यम से यह उपलब्धि हासिल हुई है। इसके साथ ही कंपनी देश के सबसे बड़े समर्पित स्वास्थ्य क्षेत्र पोर्टफोलियो प्रबंधन प्रणाली प्रदाताओं में शामिल हो गई है।

कंपनी के अनुसार एक फरवरी 2021 को स्वास्थ्य क्षेत्र केंद्रित पोर्टफोलियो प्रबंधन प्रणाली की शुरुआत की गई थी। तब से अब तक इस निवेश योजना ने औसत 18.97 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर दर्ज की है।

इनक्रेड एसेट मैनेजमेंट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी समीर वोरा ने कहा कि सूचीबद्ध स्वास्थ्य क्षेत्र की कंपनियों में एक हजार करोड़ रुपये का निवेश पार करना कंपनी के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि यह निवेशकों द्वारा कंपनी की निवेश रणनीति पर व्यक्त किए गए विश्वास का प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र देश की सबसे मजबूत दीर्घकालिक विकास संभावनाओं वाले क्षेत्रों में शामिल है। बढ़ते स्वास्थ्य व्यय, बीमा कवरेज का विस्तार, जनसांख्यिकीय परिवर्तन, नवाचार तथा वैश्विक औषधि और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में भारत की बढ़ती भूमिका इस क्षेत्र को निरंतर मजबूती प्रदान कर रही है।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि कंपनी मौलिक शोध, अनुशासित पोर्टफोलियो निर्माण और क्षेत्र विशेष पर आधारित निवेश रणनीति के माध्यम से निवेशकों के लिए दीर्घकालिक संपत्ति सृजन पर लगातार ध्यान केंद्रित कर रही है।

सोना-चांदी की कीमतों में फिर तेजी

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: देश में सोना और चांदी की कीमतों में गुरुवार को फिर तेजी दर्ज की गई। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार 24 कैरेट शुद्धता वाले 10 ग्राम सोने का भाव 274 रुपये बढ़कर 1.46 लाख रुपये पर पहुंच गया। वहीं एक किलोग्राम चांदी की कीमत 360 रुपये बढ़कर 2.26 लाख रुपये हो गई। पिछले चार दिनों के दौरान सोना 4,398 रुपये और चांदी 10,346 रुपये महंगी हो चुकी है। चालू वर्ष में सोने की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव के बीच अब तक लगभग 13 हजार रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम सोने का भाव 1.33 लाख रुपये से अधिक था, जो अब बढ़कर 1.46 लाख रुपये तक पहुंच गया है। इसके विपरीत चांदी की कीमत में वर्ष के दौरान लगभग चार हजार रुपये की गिरावट दर्ज की गई है। वर्ष के अंतिम दिन चांदी का भाव 2.30 लाख रुपये प्रति किलोग्राम था, जो फिलहाल 2.26 लाख रुपये पर है इस वर्ष 29 जनवरी को सोने और चांदी दोनों ने अपने सर्वाधिक स्तर को भी छुआ था। उस समय 10 ग्राम सोने की कीमत 1.76 लाख रुपये और एक किलोग्राम चांदी का भाव 3.86 लाख रुपये

▶▶ सोना 1.46 लाख रुपये और चांदी 2.26 लाख रुपये के स्तर पर पहुंची

तक पहुंच गया था। वस्तु बाजार विशेषज्ञ अजय केडिया के अनुसार सोना और चांदी दोनों अपने उच्चतम स्तर से काफी नीचे कारोबार कर रहे हैं। उनका कहना है कि निवेशक इन धातुओं में निवेश पर विचार कर सकते हैं, हालांकि एकमुश्त निवेश से बचना चाहिए। उन्होंने अनुमान जताया कि वर्ष के अंत तक सोना 1.60 लाख रुपये और चांदी 2.80 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर तक पहुंच सकती है।

आयकर विवरणी भरने की अंतिम तिथि नजदीक

ऋण, कर वापसी और अन्य सुविधाओं के लिए भी है उपयोगी

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: वित्त वर्ष 2025-26 के लिए आयकर विवरणी दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई है। इसके लिए अब 10 दिन से भी कम समय शेष है। 22 जुलाई तक तीन करोड़ से अधिक लोग अपनी आयकर विवरणी दाखिल कर चुके हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि जिन लोगों की आय कर के दायरे में नहीं आती, उनके लिए भी आयकर विवरणी दाखिल करना कई दृष्टि से लाभदायक हो सकता है।

आयकर विवरणी वह विवरण है, जिसके माध्यम से करदाता अपनी वार्षिक आय, देय कर तथा पहले से जमा कर की जानकारी सरकार को उपलब्ध कराता है। इसके आधार पर यह तय होता है कि करदाता को अतिरिक्त कर जमा करना है या उसे कर वापसी मिलेगी।

समय सीमा के भीतर आयकर विवरणी दाखिल नहीं करने पर वार्षिक आय पांच लाख रुपये से अधिक होने पर पांच हजार रुपये तथा पांच लाख रुपये से कम होने पर एक हजार रुपये का विलंब शुल्क देना पड़ सकता है। समय पर विवरणी भरने से इस अतिरिक्त

राशि से बचा जा सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार समय पर आयकर विवरणी दाखिल करने से आयकर विभाग की ओर से नोटिस मिलने की संभावना भी कम हो जाती है। यदि किसी करदाता ने निर्धारित कर का 90 प्रतिशत से कम जमा किया है तो नियमों के अनुसार उस पर प्रतिमाह एक प्रतिशत ब्याज भी देय हो सकता है।

निर्धारित समय में आयकर विवरणी भरने पर निवेश या अन्य स्रोतों से हुए नुकसान को आगामी वित्त वर्षों में समायोजित करने का लाभ भी मिलता है। इसके अतिरिक्त यदि किसी व्यक्ति की आय से कर काटा गया है और वह कर वापसी का पात्र है, तो आयकर विवरणी दाखिल किए बिना वह राशि प्राप्त नहीं की जा सकती। समय पर आयकर विवरणी दाखिल करने से ऋण प्राप्त करने में भी सुविधा होती है।

अडानी पावर का पहली तिमाही का मुनाफा 47 प्रतिशत बढ़कर 4,867 करोड़ पर

नईदुनिया ब्यूरो, मुबंई: मुंबई अडानी पावर को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 4,867 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ, जो सालाना आधार पर 47 प्रतिशत ऊपर है। कंपनी के निदेशकमंडल की बुधवार को हुई बैठक के बाद वित्तीय परिणामों की घोषणा की गयी। अप्रैल-जून तिमाही के दौरान कंपनी का सतत परिचालन राजस्व 28 प्रतिशत बढ़कर 17,550 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इस दौरान सतत परिचालन लाभ 6,983 करोड़ रुपये हो गया। इसमें 22 फीसदी की वृद्धि हुई है। अडानी पावर ने बताया कि पहली तिमाही में ईंधन की लागत 30 प्रतिशत बढ़कर 9,513 करोड़ रुपये हो गयी। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 7,309 करोड़ रुपये रही थी।

शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स 364 अंक टूटा

विदेशी बाजारों के मिले-जुले संकेतों के बीच घरेलू बाजार में गिरावट

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबई: घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट दर्ज की गई। कारोबार समाप्त होने पर सेंसेक्स 364 अंक टूटकर 76,391 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 127 अंक की गिरावट के साथ 23,870 पर आ गया। दिनभर के कारोबार में रियल एस्टेट, ऊर्जा, बैंकिंग और औषधि क्षेत्र के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली देखने को मिली।

बाजार पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी का प्रभाव भी दिखाई दिया। ब्रेंट कच्चा तेल करीब चार प्रतिशत बढ़कर 98 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। जानकारों का मानना है कि यदि

अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच तनाव और बढ़ता है तो कच्चे तेल की कीमतें 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं, जिसका असर भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर भी पड़ सकता है।

एशियाई बाजारों में हालांकि मजबूती का रुख रहा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई तथा हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त के साथ बंद हुए। इसके विपरीत 22 जुलाई को अमेरिकी बाजारों में गिरावट दर्ज की गई थी। डाउ जोन्स, नैस्डैक और स्टैंडर्ड एंड पुअर्स 500 सूचकांक सभी निचले स्तर पर बंद हुए।

विदेशी और घरेलू संस्थागत निवेशकों के आंकड़ों के अनुसार पिछले सात दिनों के दौरान विदेशी निवेशकों ने 4,660 करोड़ रुपये के शेयरों की खरीद की। वहीं ताजा कारोबारी सत्र में घरेलू संस्थागत निवेशकों की ओर से 418 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली दर्ज की गई, जबकि विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 819 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

इससे पहले 22 जुलाई को भी बाजार दबाव में रहा था। उस दिन सेंसेक्स 715 अंक टूटकर 76,755 पर बंद हुआ था, जबकि निफ्टी 191 अंक की गिरावट के साथ 23,996 के स्तर पर पहुंच गया था।

बायोएनर्जी उद्योग पर वैश्विक प्रदर्शनी एवं शिखर सम्मेलन नयी दिल्ली में 29 से 31 जुलाई तक

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: जैव ऊर्जा पर वैश्विक प्रदर्शनी एवं शिखर सम्मेलन 'बायोएनर्जी ग्लोबल-2026 इसी माह 29 से 31 तारीख राजधानी के यशोभूमि स्थित अंतराष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन केंद्र में आयोजित किया जाएगा। बायोएनर्जी क्षेत्र पर देश के इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम की आयोजक मीरा ट्रेड फेयर मीडिया प्रा लि ने गुरुवार को एक विज्ञप्ति में बताया कि कार्यक्रम का उद्घाटन 29 जुलाई को सुबह 10:30 बजे केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल करेंगे। इस अवसर पर समर्थ के मिशन निदेशक आर. पी. अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। सम्मेलन को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, लाइफ मिशन तथा राष्ट्रीय जैव प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र (एनसीबीआई) का सहयोग प्राप्त है।

स्पाइसजेट के बेड़े में तीन नए विमान शामिल

आने वाले महीनों में और विमान शामिल करने की तैयारी

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: निजी विमानन कंपनी स्पाइसजेट ने अपने बेड़े में डैम्प लीज व्यवस्था के तहत तीन एयरबस ए-320 विमान शामिल करने की घोषणा की है। कंपनी ने गुरुवार को बताया कि इन अतिरिक्त विमानों के शामिल होने से नेटवर्क विस्तार और बढ़ती यात्री मांग को पूरा करने में सहायता मिलेगी। कंपनी के अनुसार डैम्प लीज व्यवस्था में विमान के साथ पायलट भी विमान उपलब्ध कराने वाली कंपनी के होते हैं, जबकि विमान के रखरखाव की जिम्मेदारी भी उसी कंपनी की रहती है। दूसरी ओर, केबिन चालक दल विमान संचालित करने वाली कंपनी का होता है।

स्पाइसजेट ने बताया कि तीनों विमान भारत पहुंच चुके हैं और इस सप्ताह के अंत तक उनका व्यावसायिक परिचालन शुरू कर दिया जाएगा। इन विमानों के संचालन से प्रमुख घरेलू मार्गों पर बेहतर संपर्क सुविधा उपलब्ध कराने के साथ नेटवर्क विस्तार की योजनाओं को भी गति मिलेगी।

कंपनी ने यह भी बताया कि नियोजित बेड़ा विस्तार कार्यक्रम के तहत आने वाले महीनों में अन्य पट्टादाता कंपनियों के साथ अतिरिक्त विमान शामिल करने के लिए उन्नत स्तर पर बातचीत चल रही है।

स्पाइसजेट के मुख्य व्यवसाय अधिकारी देबोजो महार्षि ने कहा कि नए विमानों का शामिल होना क्षमता विस्तार की रणनीति का हिस्सा है। इससे मौजूदा मार्गों पर अधिक उड़ानें संचालित करने, संपर्क बढ़ाने और नई सेवाएं शुरू करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि व्यस्त यात्रा मौसम से पहले कंपनी अपनी क्षमता लगातार बढ़ा रही है और यात्रियों को अधिक गंतव्यों तक विश्वसनीय यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

स्पेशल खबर | आशीष कुमार दाश होंगे इंफोसिस के नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी

कंपनी ने वित्तीय परिणामों के साथ नेतृत्व परिवर्तन की घोषणा की

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: देश की दूसरी सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी सेवा कंपनी इंफोसिस ने आशीष कुमार दाश को नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक नियुक्त करने की घोषणा की है। कंपनी ने पहली तिमाही के वित्तीय परिणामों के साथ नेतृत्व परिवर्तन की जानकारी दी। आशीष कुमार दाश एक अप्रैल 2027 से वर्तमान मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक सलिल पारेख का स्थान लेंगे। उनका कार्यकाल 31 मार्च 2032 तक रहेगा।

कंपनी के अनुसार जून तिमाही में उसका समेकित शुद्ध लाभ वार्षिक आधार पर 12.2 प्रतिशत बढ़कर 7,769 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 6,921 करोड़ रुपये था। हालांकि पिछली तिमाही के 8,501 करोड़ रुपये की तुलना में शुद्ध लाभ में 8.6 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

कंपनी की आय भी वार्षिक आधार पर 14 प्रतिशत बढ़कर 48,211 करोड़ रुपये

पहुंच गई, जबकि एक वर्ष पहले इसी अवधि में यह 42,279 करोड़ रुपये थी। तिमाही आधार पर भी आय में चार प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। पिछले वित्त वर्ष की मार्च तिमाही में कंपनी की आय 46,402 करोड़ रुपये रही थी।

सलिल पारेख ने कहा कि पिछले आठ वर्षों में कंपनी का नेतृत्व करना उनके लिए सम्मान की बात रही। इस दौरान कंपनी की आय 10 अरब डॉलर से बढ़कर 20 अरब डॉलर से अधिक हो गई। उन्होंने कहा कि कंपनी ने डिजिटल बदलाव के क्षेत्र में अपनी स्थिति मजबूत की है और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित परिवर्तन के लिए अलग रणनीति तैयार की है।

नई जिम्मेदारी मिलने पर आशीष कुमार दाश ने कहा कि तकनीक एक नए दौर में प्रवेश कर रही है, जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता कार्यप्रणाली और मूल्य सृजन के तरीकों को बदल रही है। उन्होंने कहा कि कंपनी स्पष्ट रणनीति, कुशल प्रतिभा और ग्राहकों के मजबूत विश्वास के साथ इस नए चरण की शुरुआत कर रही है। आशीष कुमार दाश वर्ष 1995 में कंपनी से जुड़े थे और पिछले 31 वर्षों में विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्व निभा चुके हैं।

29 जुलाई से जैव ऊर्जा वैश्विक सम्मेलन

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: जैव ऊर्जा क्षेत्र पर आधारित वैश्विक प्रदर्शनी एवं शिखर सम्मेलन 'बायोएनर्जी ग्लोबल-2026' का आयोजन 29 से 31 जुलाई तक राजधानी स्थित यशोभूमि अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी एवं सम्मेलन केंद्र में किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम का उद्घाटन 29 जुलाई को केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल करेंगे, जबकि समर्थ के मिशन निदेशक आर. पी. अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। तीन दिवसीय इस आयोजन में नीति-निर्माता, उद्योग विशेषज्ञ, प्रौद्योगिकी प्रदाता, अनुसंधान संस्थान, निवेशक तथा व्यावसायिक संगठन एक मंच पर एकत्र होकर भारत में सतत ऊर्जा के भविष्य पर विचार-विमर्श करेंगे। सम्मेलन में 100 से अधिक प्रदर्शकों, 10 हजार से अधिक आगंतुकों, 500 सम्मेलन प्रतिनिधियों, 50 से अधिक वक्ताओं तथा 50 से अधिक तकनीकी एवं व्यावसायिक सत्रों के शामिल होने की संभावना है। आयोजकों के अनुसार यह आयोजन प्रतिभागियों को व्यापार विस्तार, संपर्क निर्माण तथा ज्ञान और अनुभव के आदान-प्रदान का अवसर प्रदान करेगा। ब्राजील दूतावास के सहयोग से कार्यक्रम को अंतरराष्ट्रीय स्वरूप भी मिलेगा। प्रदर्शनी के साथ द्वितीय बायोएनर्जी वैश्विक शिखर सम्मेलन तथा पांचवां राष्ट्रीय जैव ऊर्जा सम्मेलन भी आयोजित किया जाएगा।

इंडिगो को पहली तिमाही में 238 करोड़ रुपये का नुकसान

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: पश्चिम एशिया संकट के कारण प्रमुख विमान सेवा कंपनी इंडिगो को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 238 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। विदेशी मुद्रा विनिमय के मद में शुद्ध नुकसान एक साल पहले के 23.7 करोड़ रुपये से बढ़कर 149.9 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी ने 2,176 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था।

एयरलाइंस ने गुरुवार को निदेशक मंडल की बैठक के बाद वित्तीय परिणाम जारी किये। इसमें बताया गया है कि तिमाही के दौरान कंपनी का परिचालन राजस्व 24,584.1 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। यह सालाना आधार पर 19.9 प्रतिशत अधिक है। पश्चिम एशिया संकट के कारण अप्रैल-जून तिमाही में विमान ईंधन की कीमतों में भारी वृद्धि से विमान सेवा कंपनियों पर दबाव रहा। इस दौरान प्रत्येक सीट-किलोमीटर पर इंडिगो की ईंधन लागत 80.4 प्रतिशत बढ़कर 2.49 रुपये पर पहुंच गयी। ईंधन और विदेशी मुद्रा विनिमय को छोड़कर अन्य मदों में प्रति सीट-किलोमीटर पर खर्च 10.7 प्रतिशत बढ़कर 3.20 रुपये हो गया। इंडिगो के प्रबंध निदेशक राहुल भाटिया ने कहा, 'पहली तिमाही अस्थिर परिचालन वातावरण से प्रभावित रही। ईंधन की ऊंची लागत और पश्चिम एशिया में नेटवर्क से जुड़ी बाधाओं का हमारे मुनाफे पर असर पड़ा। इसके बावजूद, मांग मजबूत बनी रही और हमारे राजस्व प्रदर्शन में वर्ष-दर-वर्ष सुधार हुआ। हालांकि, ईंधन की बढ़ती कीमतों और कमजोर रुपये के दबाव के कारण इस तिमाही में घाटा दर्ज किया गया।'